

CLASS-10: Summary

1. सूत्र छह - **आ आकाशादेक द्रव्याणि** में हमने द्रव्यों की संख्या को जाना
 - a. 'आ' मतलब होता है - वहाँ तक
 - b. 'आकाशात्' यानि आकाश द्रव्य तक,
 - c. **एक-द्रव्याणि** यानि एक द्रव्य होते हैं
 - d. अर्थात् सूत्र एक - **अजीवकाया धर्माधर्माकाशपुद्गलाः** में आकाश द्रव्य तक
 - e. अर्थात् धर्म, अधर्म और आकाश एक द्रव्य होते हैं
2. आकाश द्रव्य के बारे में एक गलत धरणा लोगों में होती है कि ये दो रूपों - लोकाकाश और अलोकाकाश में विभक्त है
 - a. वास्तव में द्रव्य तो एक ही है
 - b. और **पूर्णतः अखण्ड** है
 - c. बिना किसी division के
 - d. यह तो इसका **सीमांकन** होता है
3. आकाश को जिस चीज के साथ में रखते हैं, वह उसी रूप में ढल जाता है
 - a. जैसे घड़े के अन्दर घटाकाश
 - b. और वस्त्र के साथ पटाकाश
4. इसी तरह जितना आकाश हम लोक के साथ जोड़ते हैं उसे **लोकाकाश** कहते हैं
 - a. इसमें धर्म, अधर्म, जीव, पुद्गल द्रव्य होते हैं
 - b. और उसके परे **अलोकाकाश** कहते हैं
 - c. यहाँ पर अन्य द्रव्य नहीं होते
5. **आकाश द्रव्य** नित्य, अवस्थित, अस्ति, काय और अजीव है
 - a. इसे आकाश अस्तिकाय भी कहते हैं
6. जितने स्थानों पर आकाश द्रव्य है
 - a. उसी स्थान पर, उन्हीं space points पर धर्म और अधर्म द्रव्य भी फैला हुआ है
 - b. ये धर्मास्तिकाय और अधर्मास्तिकाय हो गए

- c. उन्हीं space points पर एक-एक काल का भी द्रव्य फैला हुआ है और
 - d. उन्हीं space points पर अनेकों जीव और पुद्गल भी हैं
7. मुनि श्री ने अस्तिकाय में काया को समझाने के लिए चादर का उदाहरण दिया
- a. काय का अर्थ है जिनके बहुत सारे प्रदेश या space points हों
 - b. आकाश को हम अगर एक चादर की तरह देखें
 - c. तो धर्म और अधर्म उसके ऊपर एक-एक चादर हैं
 - d. ये तीनों मिलाकर एक मोटी काया के रूप में हो गए
 - e. तीन-तीन अस्तिकाय स्पष्ट रूप से बिल्कुल एक के ऊपर एक
 - f. यानि ऊपर से देखने पर वे एक अस्तिकाय हैं
 - g. इससे हमें समझ आता है कि ये द्रव्य एक-एक होते हुए भी अस्तिकाय हैं क्योंकि
 - h. इनके अन्दर इतना बड़ा **काय का व्यवहार** हो रहा है
8. आकाश द्रव्य में **अवगाहन गुण** होता है
- a. जिसके कारण धर्म, अधर्म आदि द्रव्य उसके साथ, उसके पास और उसमें रहते हैं
9. धर्म, अधर्म, आकाश में अगर जीव और पुद्गल को भी शामिल कर लें तो
- a. वो आज के विज्ञान के अनुसार Quantum field कहते हैं
 - b. Modern science में Newton के gravitational force की अपेक्षा Einstein की व्याख्या सूक्ष्म और समझने योग्य है
 - c. Einstein ने अनुसार इस आकाश के अन्दर gravitational force हर जगह काम करता है
 - d. आकाश के अवगाहनत्व गुण को इसी force के रूप में समझ सकते हैं
10. आकाश द्रव्य और इसके अवगाहन गुण के ही कारण से आकाश द्रव्य दूसरे द्रव्य को सहायक बन रहा है
- a. उसे स्थान दे रहा है
 - b. यह सबसे बड़ा gravitational force है
11. भारी चीजों को नीचे गिराने तो gravity की बहुत स्थूल परिभाषा है
12. Gravitational field की सूक्ष्म परिभाषा में

- a. यह सूक्ष्म द्रव्यों को भी अपने पास समाहित कर सके
- b. उनको रहने के लिए space दे
- c. यह पूरे लोकाकाश में बन रहा है
- d. अवगाहनत्व गुण के कारण यह अलोकाकाश में भी बना हुआ है

13. विज्ञान भी यह बात स्वीकारता है कि लोक के परे अलोक होता है

- a. अन्य कोई दर्शन इसे नहीं मानता
- b. लेकिन विज्ञान इसे dark energy के रूप में मानता है
- c. क्योंकि उन्हें वहाँ कुछ भी दिखाई नहीं देता
- d. और उनकी ज्ञान की दिशा वहाँ पहुँच ही नहीं सकती

14. जहाँ तक विज्ञान को दिखाई पड़ता है

- a. वहाँ वे सब light और light की energy से नापते हैं
- b. light year यानि प्रकाश वर्ष को एक मापक बना रखा है
- c. $e=mc^2$ में 'c' इसी प्रकाश की गति होती है

15. Science ग्रन्थों में पढ़ी हुई चीजों को सीधे प्रस्तुत नहीं करता

- a. बल्कि उसे practically समझा कर या prove करके कहता है